Hindi Murli Quiz 23-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) इनमें से पुरुषोत्तम किस-किसको कहा जा सकता हैं ??

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. शंकर को
B. ब्राह्मणों को
C. देवताओं को
D. परमात्मा को
E. संगमयुग को

Q.2) ज्ञान की दृष्टि से ज़मीन में से लाखों वर्ष पुरानी हड्डियाँ मिलना सत्य हैं या असत्य ??

इसके पीछे तर्क कौन-सा हैं ?

A. True / ये वाक्य सही है
B. False / ये वाक्य गलत है

Q.3) ग्लानि करने वाले को गुणमाला पहनाना अर्थात् उनको जन्म-जन्म के लिए _____ निश्चित कर देना है ।

A. भक्त
B. साथी
C. महादानी
D. सम्बन्धी

Q.4) ब्रह्मा के वर्तमान (2015 के) स्वरूप को हम इनमें से कौन-सा रूप कह सकते हैं ??

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. फ़रिश्ता
B. श्री कृष्ण
C. निराकारी
D. साकारी
E. अव्यक्त
F. आकारी

Q.5) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --

	Choice		Match
A	हे भगवान आओ, आप	1	पतित दुनिया, पतित तन में आते हैं ।
B	मीठे बच्चे -	2	तुम फिर द्वापर में उनके लिए सोने का मन्दिर बनाते हो ।
C	वह बहुत निरहंकारी बन	3	इस बंधन से बाप भी नहीं छूट सकता है ।
D	हर कल्प में बाप को अपने बच्चों के पास आना दुःखी बच्चों को सुखी बनाते	4	बाप आया है तुम बच्चों को स्वच्छ बुद्धि बनाने..
E	बाप इस समय तुम्हें स्वर्ग का मालिक बनाते	5	आयेंगे तो हम आपसे बहुत सुख पायेंगे ।

Q.6) ज्ञान की गुह्य दृष्टि से हमारे यज्ञ को इसमें से क्या कहना सबसे उचित हैं ??

A. विश्व विद्यालय
B. विश्व विद्यालय
C. संस्था
D. विद्यालय
E. परिवार

Q.7) इनमें से कौन-सा वाक्य सही हैं ?? और क्यों ???

(अपना जवाब सोच कर यहाँ दिए उत्तर से मिलाना)

A. भक्ति का फल हमें संगमयुग में मिलता हैं |
B. भक्ति का फल हमें संगमयुग और सतयुग दोनों युग में मिलता हैं |
C. भक्ति का फल हमें सतयुग में मिलता हैं |

Q.8) हम सब ब्राह्मण _____ इस ज्ञान को धारण कर पुरुषार्थ करते हैं |

A. इस जन्म के दुःख-दर्द दूर करने
B. साक्षात्कार करने
C. घर वापिस जाने
D. सूर्यवंशी बनने

Q.9) बाप कहते हैं कि -

सत्य वाक्यों पर निशान लगायें और गलत वाक्यों को ऐसे ही छोड़ दें |
(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. मैं परमात्मा किसी बंधन में बंध नहीं सकता |
B. तुम देवी-देवताओं की ग्लानि करते तब मैं आता हूँ ।
C. मुझे भगवान तो कहते हैं परन्तु जानते कोई भी नहीं हैं ।
D. शास्त्र पढ़ना, तीर्थ आदि करना - यह सब भगवान से मिलने के रास्ते हैं ।
E. अभी साहूकारों के लिए स्वर्ग है गरीब बिचारे नर्क में है ।
F. सर्वव्यापी, कच्छ-मच्छ में परमात्मा कहना यह परमात्मा की ग्लानि करना हैं ।

Q.10) बाप कहते हैं ये ब्रह्मा हैं नम्बरवन पतित इसलिए मैं इनमें आता हूँ ।

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है